

जिस हाल में जिस

जिस हाल में जिस देश मे जिस वेस में रहो ॥
हरी ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस योग में जिस भोग में जिस रोग में रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस ग्राम में जिस नाम में जिस धाम में रहो ॥
हरी ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस रंग में जिस ढंग में जिस संग में रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

परिवार में व्यवहार में संसार मे रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

आराम में सम्मान में अपमान में रो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस ज्ञान में जिस दयान में जिस मान में रहो ॥
हरी ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

इस लोक में उस लोक में जिस पर लोक में रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस सेवा में जिस मेवा में जिस त्याग में रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरी ॐ हरी कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस आह में जिस वाह में जिस भाव में रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस राह में जिस जात में जिस बात में रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥

जिस हाल में.....

जिस मेला में जिस रेला में जिस ठेला में रहो ॥

हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥

जिस हाल में.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3931/title/jis-hal-me-jis-desh-me-jis-vesh-me-raaho-hari-om-hari-om-hari-om-kaho>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |